वि प ने ट

विज्ञान प्रसार से सम्बन्धित विज्ञान क्लबों का नेटवर्क

विपनेट क्या है?

'विपनेट' शब्द विज्ञान प्रसार नेटवर्क का संक्षिप्त रूप है। इस नेटवर्क का मकसद 'विज्ञान प्रसार' के साथ काम करने के इच्छुक पूर्व स्थापित या नव स्थापित विज्ञान क्लबों, समितियों और संस्थाओं को एक ही कड़ी में जोड़ना है, ताकि देश में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने वाले आंदोलन को सशक्त बनाया जा सके। समाज की विकास प्रक्रिया पर इसका दूरगामी प्रभाव पड़ेगा।

विपनेट क्लब क्या है?

जाति, मत, विचारधारा, धर्म और भाषागत भेदभाव से परे रहकर देश के किसी कोने में सक्रिय कोई भी विज्ञान क्लब **'विपनेट'** का अंग बन सकता है। उसे सिर्फ इस आशय का पंजीकरण कराना होगा कि वह 'विपनेट' से संबद्ध है। इसके साथ ही स्थानीय पहल और विपनेट के मार्गदर्शन से कई नए विज्ञान क्लबों की स्थापना भी की जानी है। कुछ बुनियादी शर्तें पूरी करके ये क्लब विपनेट से अपनी सम्बद्धता का पंजीकरण करा सकेंगे। पहले से कार्यरत अथवा नवस्थापित क्लबों की निजी पहचान बरकरार रहेगी और वे कार्यक्रमों को अपनी सुविधा के अनुसार लागू कर सकेंगे। उन्हें केवल क्लब की विवरण पत्रिका एवं नामपट पर यह उल्लेख करना होगा कि वे विपनेट से सम्बद्ध हैं। विपनेट के साथ नामांकन कराने के लिए उनसे पंजीकरण अथवा संबद्धता शुल्क नहीं लिया जाएगा।

विपनेट की परिकल्पना है कि पूरे देश में विज्ञान क्लबों का एक राष्ट्र व्यापी नेटवर्क स्थापित किया जाए। विपनेट के मुख्य उद्देश्य ये हैं:–

1. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्बन्धी सूचनाओं का प्रचार–प्रसार करना, विकास के लिए यह कार्य अति आवश्यक है। जन समुदाय तक इन सूचनाओं को पहुँचाने के लिए विपनेट के पास प्रौद्योगिकी संबन्धी ज्ञान है और उस पर इसे जनता तक पहुँचाने की ज़िम्मेदारी भी है। इसलिए योजना बनाई गई है कि विपनेट क्लब देश के दूर दराज के इलाकों में बदलाव लाने के लिए विज्ञान संचारक के रूप में काम करें।
2. ऐसे प्रयास करना जिनसे लोग विज्ञान विधियों के प्रति जागरूक बनें, उनसे सरोकार और जुड़ाव महसूस करें तथा उनमें इन विधियों के गुण–दोष की विवेचना करने की क्षमता उत्पन्न हो। इन प्रयासों से लागों में अपनी समस्याओं के समाधान के लिए तर्कसंगत दृष्टिकोण विकसित होगा। इस अभियान के तहत कई, कम समय और लंबे समय वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों पर विचार किया गया है। ये प्रासंगिक तो हैं ही, व्यावहारिक भी हैं।
3. लोगों की उत्सुकता, जाँच–पड़ताल, अनुसंधान और रचनात्मकता की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करना, ऐसी गतिविधियाँ पारंपरिक शिक्षा की पूरक बनेंगी और विज्ञान को अत्यंत आनंददायक और रुचिकर उपक्रम बना देंगी। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में भागीदारी जैसे काम इसके अच्छे उदाहरण बन सकते हैं।

विपनेट साइंस क्लबों में सदस्यता के लिए आयुसीमा एवं सदस्यों की संख्या क्या होगी?

वैसे तो विज्ञान प्रसार इस नेक काम में भागीदारी से किसी को वंचित नहीं करना चाहेगा, लेकिन अनुभव बताता है कि अगर किसी विज्ञान क्लब में केवल बच्चे और युवा हों, तो उसके संचालन में बहुत कम समस्याएँ आड़े आती हैं। इन बच्चों और युवाओं के माता–पिता, अभिभावकों, शिक्षकों, समाज–सेवियों और विज्ञान संबंधी ज्ञान के संचार कार्य से जुड़े लोगों से हमारी यह अपेक्षा जरूर है कि वे सहयोग दें, मार्ग दर्शन करें और नई पीढ़ी के इस अभियान की निगरानी करते रहें। लेकिन जहाँ तक इन क्लबों की सदस्यता और संचालन कार्यों का संबंध है, हम चाहेंगे कि इन्हें बच्चों और युवाओं के लिये छोड़ दिया जाए। हम जब बच्चों और युवाओं की बात करते हैं, तो हमारा आशय 7 से 22 वर्ष के आयु–वर्ग के लोगों से होता है। क्लब के सदस्य चाहें तो कुछ प्रतिष्ठित लोगों को अपना सलाहकार और संरक्षक चुन सकते हैं। क्लब के गठन के लिये कम से कम 11 सदस्य होने चाहिये। बाद में यदि क्लब के सदस्यों की संख्या 100 से अधिक हो जाये, तो उसी क्षेत्र में दूसरे विज्ञान क्लब की स्थापना के बारे में विचार किया जा सकता है।

किसी पहले से कार्यरत अथवा नवस्थापित विज्ञान क्लब को विपनेट से संबद्ध क्यों होना चाहिए?

इसका एक बहुत साधारण लेकिन तर्कसंगत कारण यह है कि इससे एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क में शामिल होने का अवसर मिलेगा। एक छोटी इकाई की भौतिक और मानसिक सीमाओं को प्रतिक्रमित कर विपनेट क्लब रोमांचक राष्ट्रीय आंदोलन में भागीदार बन जाएगा। अधिक स्पष्ट ढंग से कहें तो:

(क) इन्हें विज्ञान प्रसार की मासिक समाचार पत्रिकाएँ (न्यूज लेटर) ''ड्रीम 2047'' एवं ''विपनेट न्यूज़'' निःशुल्क प्राप्त हुआ करेंगी।

(ख) विज्ञान प्रसार और/अथवा रा.वि.प्रौ.सं.प. (एन.सी.एस.टी.सी.) के कार्यक्रमों, इनमें प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य अभियान भी शामिल हैं, में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

(ग) इन्हें राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (एन.सी.एस.सी.) में भागीदार, प्रेरक अथवा किसी और हैसियत से सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा।

(घ) इन्हें विज्ञान प्रसार से कुछ उपकरण, पोस्टर और सामग्री निःशुल्क प्राप्त हो सकेगी।

(च) इन्हें पूरे वर्ष भर की गतिविधियों और उपलब्धियों के मूल्यांकन के आधार पर पुरस्कार और पारितोषिक प्राप्त हो सकेंगे।

(छ) इन्हें इंटरनेट पर विज्ञान प्रसार के वेब पेज के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने और मान्यता हासिल करने का अवसर मिलेगा।

(ज) ये कुछ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के अवसरों (अथवा दिवसों) पर समारोहों के आयोजन के लिए उनके बारे में जानकारी देने वाली सामग्री प्राप्त कर सकेंगे। इन आयोजनों से समाज में व्यापक स्तर पर जागरूकता आयेगी।

मासिक / त्रैमासिक रिपोर्ट का प्रारूप

समूह/क्लब/फोरम/सोसायटी का नाम..

विशिष्ट स्वीकृत संख्या | | | | | | | | |

रिपोर्ट की अवधि...से..तक

गतिविधियों की संख्या...

गतिविधियों का विवरण (गतिविधि रिपोर्ट फोटो सहित कृपया निम्नांकित प्रारूप में भेजें) ....

शीर्षक

अवधि

भाग लेन वालों की संख्या

लक्षित समूह

उल्लेखनीय बातें

इस दौरान आयोजित दो मुख्य गतिविधियों का विवरण एक–एक पृष्ठ में दें।

सचिव/संयोजक के हस्ताक्षर

आवेदन पत्र

सेवा में,

विपनेट
विज्ञान प्रसार
ए–50, इंस्टीट्यूशनल एरिया
सेक्टर–62, नोएडा (उ.प्र.) – 201 307

हम...राज्य के..गाँव/कस्बे/शहर के बच्चों और युवकों के समूह ने..के नाम से विज्ञान क्लब/सोसायटी/फोरम की स्थापना की है।

हमनें सभी विवरण (संलग्न हैं) उचित प्रारूप में उपलब्ध करा दिए हैं और हम विज्ञान प्रसार को अपनी गतिविधियों और कार्यक्रमों से हमेशा अवगत कराते रहेंगे।

हमनें विपनेट क्लब के तौर पर विपनेट से सम्बद्ध होने का निर्णय लिया है। आपसे आग्रह है कि हमारा आवेदन स्वीकार करें और हमारे पास सम्बद्धता प्रमाण–पत्र तथा विशिष्ट स्वीकृत संख्या भेजें। हम अपनी नियमित गतिविधियों और कार्यक्रमों के अलावा इस नेटवर्क की भी गतिविधियों के संचालन का संकल्प लेते हैं।

सधन्यवाद,

भवदीय

( )

सचिव/संयोजक

नोट : आवेदन पत्र एवं विपनेट सम्बद्धता फॉर्म सादे कागज़ पर टाइप कराकर या स्पष्ट हस्तलिपि में भी भेज सकते हैं।

विपनेट पंजीकरण प्रपत्र

1. समूह/क्लब/फोरम/सोसायटी का नाम..

2. डाक का पूरा पता (स्थान, डाकघर, जिला, राज्य, पिनकोड के साथ)

3. फोन नः..

4. ई–मेलः..

5. श्रेणीः (क) स्कूल क्लब ☐ (ख) स्कूल के बाहर का क्लब ☐

यदि स्कूल क्लब है

6. स्कूल का नामः ....

7. प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य का नामः..

8. सलाहकार/पर्यवेक्षक का नामः..

9. समन्वयकर्ता/सचिव का नामः..

10. क्लब कितने समय से कार्यरत हैः ....

यदि स्कूल के बाहर का क्लब है

11. सलाहकार/पर्यवेक्षक का नामः..

12. समन्वयकर्ता/सचिव का नामः..

13. क्लब कितने समय से (अ) अस्तित्व में हैंः .... (ब) सक्रिय हैः ....

कृपया ध्यान दें कि विज्ञान प्रसार से संबद्धता प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र के साथ इन्हें भी संलग्न करेंः

1. पद नाम के साथ क्लब के संस्थापन सदस्यों की सूची

2. बीते माह/तीन महीनों के दौरान आपके क्लब की गतिविधियों के विवरण / रिपोर्ट